Unique Paper Code:	**121301201(R)**
Title of the Paper:	**CC 201: दर्शन:न्याय एवं वेदान्त**
	(Darśana: Nyāya & Vedānta)
Name of the Course:	**MA Sanskrit LOCF Examination, Aug 2022**
Semester:	**II**
Duration:	**03 HRS**
Maximum Marks:	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or **Hindi** or in **English.**

अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

1. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : **7x4=28**
Explain the following with reference to the context:

(क) यदाह भाष्यकार: - 'त्रिविधा चास्य शास्त्रस्य प्रवृत्तिरुद्देशो लक्षणं परीक्षा चेति' ।

अथवा / Or

ननु साधकं कारणम् इति पर्यायस्तदेव न ज्ञायते, किं तत् कारणम् इति ।

(ख) तत्र लिङत्वेनानिश्चितो हेतु: असिद्ध: ।

अथवा / Or

मोक्षोऽपवर्ग: । स चैकविंशतिप्रभेदभिन्नस्य दु:खस्यात्यन्तिकी निवृत्ति: ।

(ग) असर्पभूतायां रज्जौ सर्पारोपवद्वस्तुन्यवस्त्वारोपोऽध्यारोप: ।

अथवा / Or

इयं समष्टिरुत्कृष्टोपाधितया विशुद्धसत्त्वप्रधाना ।

(घ) बुद्धितत्स्थचिदाभासौ द्वावेतौ व्याप्नुतो घटम् ।
तत्राज्ञानं धिया नश्येदाभासेन घट: स्फुरेत ॥

अथवा / Or

भिद्यते हृदयग्रन्थिश्छिद्यन्ते सर्वसंशयाः ।
क्षीयन्ते चास्य कर्माणि तस्मिन्दृष्टे परावरे ॥

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए: 5+5+5+7=22

Write notes on the following in which **one** must be in **Sanskrit**:

(क) अन्यथासिद्ध **अथवा/or** असमवायिकारण

(ख) संशय **अथवा/or** इन्द्रिय

(ग) पञ्चीकरण **अथवा/or** सूक्ष्मशरीर

(घ) अपवाद **अथवा/or** श्रवण

3. (क) तर्कभाषा के अनुसार 'प्रत्यक्ष प्रमाण' का विवेचन कीजिए । 10x2=20

Discuss 'Perception' according to Tarkbhaśā.

अथवा/ or

केशव मिश्र के अनुसार 'अभाव प्रमाण' के खण्डन का विवेचन कीजिए ।

Discuss the refutation of 'Abhāva Pramaṅa' according to Keśava Miśra.

(ख) वेदान्तसार के अनुसार 'अनुबन्धचतुष्ट्य' का विवेचन कीजिए ।

Discuss 'Anubandha-chatushtaya' according to Vedāntsāra.

अथवा / or

'तत्त्वमसि' महावाक्य के अखण्डार्थबोध का निरूपण कीजिए ।

Explain the identical proposition of 'Tattvamasi' Mahāvākya.